॥ श्रीः ॥

विप्रचन्द्रविकाश ।

(तृतीय मयूख)

भामिनीविलास प्रतिविम्ब ।

अर्थात्

श्रीपण्डितराज जगन्नाथ विरचित

भामिनीविलासका

हिन्दी पद्यानुवाद ।

श्रीभोजपुराधीश्वर महाराजाश्रित-राजधानी "डुमरांव"
निवासी श्रीयुत पण्डित राजेश्वरमिश्रजीके ज्येष्ठ
पुत्र तथा श्रीविशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय
कलकत्ताके हेड पण्डित अक्षयवटमिश्र
"कवि विप्रचन्द्र" विरचित ।

कलकत्ता ।

९७ चोरबगान भारतमित्र प्रेससे

पण्डित कृष्णानन्द शर्म्मा द्वारा मुद्रित और

प्रकाशित ।

सन् १९०३ ई० ।